Daily Gospel Reflections in Hindi

05 June 2019

योहन 17:1-5

KNOWLEDGE OF CHRIST PROVIDES ETERNAL LIFE

आज का सुसमाचार हमारे लिए बहुत अहम है। क्योंकि येसु हमें सिखाते है कि अनंत जीवन हमारे दैनिक जीवन का अनुभव होना चाहिए। आज का सुसमाचार महा पुरोहित मसीह की प्रार्थना का पहला हिस्सा है। येसु घोर दुःख भोग और मृत्यु का अनुभव करने से पहले अपने लिए और शिष्यों के लिए प्रार्थना करते हैं। इस प्रार्थना के द्वारा येसु हमें सिखाते है कि अनंत जीवन का अनुभव हमारे रोज का अनुभव होना चाहिए। अनंत जीवन क्या है? पिता ईश्वर को और उनका पुत्र येसु को जानना अनंत जीवन है। जानने का मतलब है अनुभव करना। प्रभु येसु इस प्रार्थना के जरिए शिष्यों को दिखाते हैं कि वह पिता का अनुभव कितना करीब से करते हैं। यह अनुभव है अनंत जीवन।

येसु के जीवन में यह अनंत जीवन का अनुभव रोज का अनुभव था। इसलिए सारी मानव जाति के लिए मरने के लिए वे तैयार हुए। जब यह अनंत जीवन का अनुभव हमारे दैनिक जीवन का अनुभव होता है तब हर मुसीबत में क्रूस उठाने की ताकत वह प्रदान करेगा।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019